बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 162 ● नई दिल्ली ● वीरवार 26 जून 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 8

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

चुनाव आयोग ने जन सुराज पार्टी को आवंटित किया चुनाव चिन्ह

पटना। जन सुराज पार्टी के पांच संकल्पों में पहली प्राथमिकता बिहार के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना है। इसी को ध्यान में रखते हुए जन सुराज ने चुनाव आयोग से चुनाव चिन्ह ₹स्कूल बैग₹ की मांग की थी, जिसे आयोग ने स्वीकार कर लिया है। निर्वाचन आयोग ने जन सुराज पार्टी को चुनाव चिन्ह ₹स्कूल बैग₹ आवंटित कर दिया है। जन सुराज के सभी 243 प्रत्याशी ₹स्कूल बैग₹ के निशान पर चुनाव लड़ेंगे।

दुनिया में भारत की पहचान बनाते हैं मुरादाबाद के कारीगरों के शिल्प : ओम बिरला

मुरादाबाद, (हि.स.)। मुरादाबाद की धरती पीतल की धरती है। वहां के कारीगरों के शिल्प दुनिया में भारत की पहचान बनाते हैं। यह बातें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार रात्रि को मुरादाबाद के बुद्धि विहार में नगर निगम मुरादाबाद द्वारा करीब 15 करोड़ रुपये की लागत से तैयार संविधान साहित्य वाटिका के लोकार्पण पर कही। उन्होंने लोकार्पण के उपरांत पूरे वाटिका का भ्रमण किया और भित्ति चित्रों एवं अन्य आकर्षक प्रतिमाओं का जायजा लिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आगे कहा कि आज मुरादाबाद की धरती के लिए ऐतिहासिक दिन है। इस धरती पर बनी संविधान साहित्य वाटिका आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक होगी। भारत की संस्कृति, साहित्य और विरासत हम सब को आज भी प्रेरित करती है। मुरादाबाद के साहित्यकार, लेखक और विचारकों ने अपनी लेखनी, विचार और गीतों से देश और दुनिया को नया विचार देने का काम किया है।ओम बिरला ने कहा कि इस संविधान साहित्य वाटिका के माध्यम से लोकतंत्र के मूल्य और विचारों से आने वाली पीढ़ी प्रेरणा लेगी। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता हमारी ताकत है।

दुनिया में यही विविधता हमारी सामर्थ्य बनी है। स्वतंत्रता के बाद हमने लोकतंत्र के विचारों को आत्मसात करके प्रगति की है। इस संविधान साहित्य वाटिका से आने वाली पीढ़ी को अपने कर्तव्यों और दायित्वों का बोध होगा। मुरादाबाद में यह वाटिका लोकतंत्र, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व जैसे संविधान के मूल सिद्धांतों को दर्शाता है।

यह एक ऐसा स्थान है जो कला, इतिहास और नागरिक शिक्षा को एक साथ जोड़ता है। वाटिका के केंद्र में विशेष कलात्मक इंस्टॉलेशन (स्थापना) बनाए गए हैं जो संविधान के विकास की कहानी बताते हैं। भारत की प्राचीन दार्शनिक परंपराओं से लेकर आजादी के बाद संविधान के निर्माण तक इन कहानियों को पत्थरों पर उकेरे गए चित्रों और धातु की नक्काशी के माध्यम से दिखाया गया है, जिनमें स्थानीय शिल्पकला का उपयोग किया गया है। वाटिका के अलग-अलग हिस्सों में संविधान के चार स्तंभ, न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को दर्शाने वाली मूर्तियां, भित्ति चित्र और उकेरे गए लेख लगाए गए हैं। यह वाटिका हर नागरिक को इन मूल्यों के गहरे अर्थों को समझने और आत्मसात करने के लिए प्रेरित करता है। वाटिका में संविधान निर्माताओं को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया है। डॉ. भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा स्थापित है। इनके जीवन और योगदान को दर्शाने के लिए प्रतिमाएं, पट्टिकाएं और क्यूआर कोड के माध्यम से इंटरएक्टिव जानकारी उपलब्ध कराई गई है।

जन सुनवाई शिविरों से मिलेगा दिल्ली की जनता को लाभ : मुकेश

नई दिल्ली, दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार लोगो की समस्याओं को ले बेहद गंभीर है जिसे ध्यान में रखते हुए सरकार नें दिल्ली के सभी जिलों में लोगो की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई शिविर लगवाने शुरू कर दिए है। यह कहना है शाहदरा उत्तरी क्षेत्र नगर निगम वार्ड समिति के डिप्टी चेयरमैन मुकेश बंसल का। मुकेश बंसल कहते हैं दिल्ली सरकार नें जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जनसुनवाई शिविरों के माध्यम से जनता की शिकायतों का समाधान करना शुरू कर दिया है। मुकेश बंसल कहते हैं कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के निर्देश के बाद अब सभी राजस्व जिलों में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में नगर निगम, दिल्ली पुलिस, बिजली और विभिन्न विभागों के अधिकारी भाग लेते हैं। मुकेश बंसल कहते है दिल्ली सरकार की योजना है इन शिविरों के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा लोगो की समस्याओं का समाधान कराया जा सके।

उन्होंने बताया ये शिविर सिर्फ सरकारी कार्यालयों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि इन्हें स्कूलों, स्थानीय चौपालों और बैंक्वेट हॉल जैसे सामुदायिक स्थानों पर भी आयोजित किया जा रहा है, ताकि लोग अपनी समस्याओं और अपेक्षाओं को प्रस्तुत करते समय अधिक सहज महसूस कर सकें। जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविरों का आयोजन नागरिकों की शिकायतों के सीधे समाधान के लिए किया जा रहा है, जबकि शिकायतों के निरंतर निवारण को सुनिश्चित करने के लिए हर समय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस) सक्रिय है। अधिक सुगमता के लिए सरकारी कार्यालयों के बाहर शिकायत पेटियां रखी जा रही हैं, जिससे नागरिक आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकें। इन शिविरों में राजस्व, दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, समाज कल्याण के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी भी भाग लेंगे ताकि लोगो की समस्याओं पर तत्काल सुनवाई हो सके। मुकेश बंसल कहते हैं जिलाधिकारियों के नेतृत्व में साप्ताहिक जन सुनवाई शिविरों का आयोजन नागरिकों की शिकायतों के सीधे समाधान के लिए किया जा रहा है, जबकि शिकायतों के निरंतर निवारण को सुनिश्चित करने के लिए हर समय लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली (पीजीएमएस) सक्रिय है।

बरसात से ऐन वक्त पहले की हड़बड़ी नहीं छुपा सकती रेखा सरकार की नाकामी : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली सरकार द्वारा एक ही दिन में 3400 गड्ढों को भरने के दावे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम दिल्ली की जनता को सचेत करते हैं कि भाजपा की रेखा गुप्ता सरकार और उनके हासुपर सीएमह माने जाने वाले मंत्री प्रवेश वर्मा अब जनता को गुमराह करने के लिए मानसून से ठीक पहले की तत्कालिक सड़कों की मरम्मत और खानापूर्ति का सहारा ले रहे हैं। देवेन्द्र यादव ने कहा कि ह100 दिनों की निकम्मी कार्यप्रणाली और प्रशासनिक विफलता को कुछ गड्ढों को भरकर नहीं छुपाया जा सकता। ह दिल्ली के हर इलाके में टूटी सड़कें, बहती नालियां और जर्जर बुनियादी ढांचा साफ दिख रहा है। सरकार ने मानसून से पहले तैयारी के नाम पर केवल प्रचार किया, काम नहीं। उन्होंने याद दिलाया कि 28 फरवरी 2025 को दिल्ली सरकार की बैठक में पैच रिपेयर और पोट होल भरने को समय सीमा में पूरा करने का निर्णय हुआ था। इससे पूर्व 21 फरवरी को अधिकारियों ने मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद को एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी। वह बैठक तो हुई, लेकिन उसके बाद पूरे दिल्लीवासियों की आंखों में धूल झोंकने जैसा व्यवहार हुआ। टूटी सड़कों की धूल, असल में भाजपा और केजरीवाल सरकार की नाकामी की परतें है। देवेन्द्र यादव ने कहा की दिल्ली पीडब्ल्यूडी के अधीन लगभग 14, 00 किमी सड़कों की जिम्मेदारी है। बैठक के अनुसार 7, 000 गड्ढों की पहचान हुई थी, जिन्हें मेंटिनेन्स वैन से मरम्मत किया जाना था। इसके लिए 15 मार्च तक टेंडर और 15 अप्रैल तक काम शुरू होना तय था।

इसी तरह 2 लाख वर्ग मीटर पैच रिपेयर का लक्ष्य तय हुआ था, जिसके लिए 7 अप्रैल से कार्य प्रारंभ और 30 अप्रैल तक पूर्णता की समय सीमा तय की गई थी। श्री यादव ने कहा कि हमौसम विभाग ने स्पष्ट तौर पर बताया था कि 19 से 25 जून के बीच दिल्ली में मानसून दस्तक देगा, फिर भी सरकार प्रचार और फोटोशूट में मशगूल रही।

धार्मिक स्थलों के विकास और सार्वजनिक सुविधाओं को बेहतर करने को लेकर एनडीएमसी की बैठक में प्रस्ताव पारित

नई दिल्ली, । संस्कृति के संरक्षण और नागरिक सुविधाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए मंत्री प्रवेश साहिब सिंह की अध्यक्षता में हुई नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) की तीसरी बैठक में बुधवार को अनेक दूरदर्शी प्रस्ताव पारित किए गए। इन प्रस्तावों का उद्देश्य दिल्ली की आध्यात्मिक विरासत को सम्मान देना और सार्वजनिक सुविधाओं को व्यापक रूप से उन्नत करना है। बैठक में संसद सदस्य बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित रहे। परिषद ने धार्मिक स्थलों के विकास, महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी संरचना और स्वच्छता प्रणालियों को लेकर एक विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशभर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के पुनरुद्धार के लिए चलाई जा रही राष्ट्रव्यापी पहल से प्रेरणा लेते हुए धार्मिक स्थल सौंदर्यीकरण एवं विकास समितिह के गठन की घोषणा की। यह समिति निम्नलिखित कार्यों पर केंद्रित होगी। इसमें एनडीएमसी क्षेत्र में धार्मिक स्थलों का सर्वेक्षण, श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता सुविधाओं का उन्नयन करना, मंदिर परिसरों में रोशनी, रास्तों और सौंदर्यीकरण में सुधार के साथ-साथ धार्मिक गतिविधियों में किसी प्रकार का व्यवधान न हो, इसका ध्यान रखते हुए हितधारकों से समन्वय स्थापित करना होगा। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि हधार्मिक स्थल केवल आस्था के प्रतीक नहीं, बल्कि संस्कृति, सेवा और आत्मिक ऊर्जा के केंद्र होते हैं। हमारा प्रयास है कि इन स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वागतपूर्ण बनाया जाए – प्रधानमंत्री मोदी के सांस्कृतिक रूप से जागरूक भारत के सपने के अनुरूप। परिषद ने हर बाजार में पिंक टॉयलेट, नई रोड-स्वीपिंग मशीनों की खरीदी, झुग्गी क्लस्टरों और धोबी घाटों का उन्नयन, सार्वजनिक शौचालयों की बेहतर देखरेख को प्रस्ताव मंजूरी दी है। आज की परिषद बैठक एक समग्र शासन दृष्टिकोण का प्रतीक रही, जिसमें आध्यात्मिक चेतना और नागरिक विकास दोनों पहलुओं को समान महत्व दिया गया। ये प्रस्ताव पारदर्शिता, समावेशिता और समयबद्ध क्रियान्वयन के प्रति एनडीएमसी की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। प्रवेश साहिब सिंह ने कहा ने कहा कि (स्वच्छता, संस्कृति और संवेदनशीलता) ये एनडीएमसी प्रशासन की नई रीढ़ होंगी। धार्मिक स्थल से लेकर शौचालयों तक, हर नागरिक को जमीन पर परिवर्तन महसूस होना चाहिए।

ठगी के मामले में दो आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने एक साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो फर्जी हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट बुकिंग वेबसाइट्स के जरिए देशभर के हजारों लोगों को ठग रहा था। इस कार्रवाई में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, नौ डेबिट कार्ड, एक बैंक पासबुक, कई फर्जी दस्तावेज और क्यूआर कोड बरामद किए गए हैं। अब तक इस फ्रॉड से जुड़ी 1000 से अधिक शिकायतें एनसीआरपी पोर्टल पर दर्ज हो चुकी हैं। स्पेशल सेल के डीसीपी अमित कौशिक के अनुसार इस रैकेट का खुलासा तब हुआ जब पुलिस स्टेशन स्पेशल सेल में एक ठगी का मामला दर्ज किया गया। आरोपित एचएसआरपी बुकिंग के नाम पर नकली वेबसाइट बना रहे थे और गूगल पर पेड विज्ञापनों के जरिए उन्हें प्रमोट कर रहे थे। इन वेबसाइटों पर दिए गए यूपीआई क्यूआर कोड सीधे ऐसे बैंक खातों से जुड़े थे जो फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खोले गए थे। लोग 1200 से 1500 तक की अग्रिम राशि देकर इन प्लेट्स को बुक करने के भ्रम में ठगे जा रहे थे।

सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का सरकारी अभियान सराहनीय : विनोद जायस

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली के लोगो की समस्याओं को ले दिल्ली की भाजपा सरकार कितनी सक्रिय है इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि बरसात से पूर्व केवल एक ही दिन में दिल्ली के सड़कों पर बने तीन हजार से ज्यादा गड्ढों को भरने का काम किया गया और इस कार्य की निगरानी खुद दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा नें की। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी उत्तर पूर्वी जिले के उपाध्यक्ष ठाकुर विनोद जायस का। विनोद जायस कहते हैं आज से पहले किसी भी सरकार नें इतना बड़ा लक्ष्य पूरा नहीं किया। विनोद जायस बताते हैं दिल्ली सरकार की तरफ से मंगलवार को आगामी मानसून के मद्देनजर सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का बड़ा अभियान चलाया गया। इसके तहत पीडब्ल्यूडी की ओर से तीन हजार से ज्यादा गड्ढे भरे गए। विकास मार्ग, शाहदरा, वजीराबाद रोड, चितरंजन पार्क, साउथ दिल्ली, महरौली, नई दिल्ली, बाहरी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली सहित अन्य जगहों पर सड़कों के गड्ढे भरने का काम सुबह से ही शुरू हो गया था जो देर शाम तक जारी रहा। उल्लेखनीय है दिल्ली सरकार नें इस योजना के तहत गड्ढों की पहचान की और मंगलवार का दिन इन्हें भरने के लिए निश्चित किया। जिसके तहत योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया गया। विनोद जायस कहते हैं आम आदमी पार्टी की सरकार नें इस ओर कोई ध्यान ही नहीं दिया था दिल्ली के प्रमुख मार्गो सहित ज्यादातर मार्गो पर काफी समय से गड्ढे थे, लेकिन इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा था. लेकिन, अब इन गड्ढों को भर दिया गया है। यह अच्छा कदम है. इससे यहां जलभराव नहीं होगा और लोगों को आने-जाने में परेशान नहीं होगी। इससे पहले दिल्ली के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा था कि लोक निर्माण विभाग मानसून से पहले 1, 400 किलोमीटर से अधिक सड़कों पर एक दिन के भीतर 3, 400 गड्ढों को भरकर सुरक्षित और सुगम बनाएगा.विनोद जायस कहते हैं बारिश के दिनों में दिल्ली की सड़कों पर पानी जमा होने की समस्या से लोग परेशान हो जाते हैं। अब ऐसे में दिल्ली सरकार द्वारा यह कदम लोगों की परेशानी को दूर कर सकता है। पिछली बार एक कोचिंग के बेसमेंट में पानी भर जाने से कई बच्चों की मौत हो गई थी जिसके बाद केजरीवाल सरकार की व्यवस्था पर सवाल उठने लगे थे लेकिन भाजपा ने

शिक्षा को अधिकार नहीं व्यापार बनाने पर जोर दे रही भाजपा सरकार : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली, । इस वर्ष के शिक्षा सत्र में दिल्ली के निजी स्कूलों ने लगभग 50% से 80% तक की बढ़ोतरी के चलते अभिभावक पहले ही परेशान थे अब फीडर स्कूलों के 10 वीं पास बच्चों को दूसरे स्कूल दाखिला देने से मना कर रहे है। स्कूल प्रशासन की इस मनमानी से बच्चे और उनके माता पिता अपने पसंदीदा कोर्स और स्कूल में दाखिला नहीं मिलने से परेशान हो रहे हैं। इस मामले पर करावल नगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज का कहना है कि मौजूदा सरकार ने छुट्टियों से पहले फीस वृद्धि करने वाले स्कूलो के खिलाफ एक बिल लाकर एक्शन की बात कही थी लेकिन धरातल पर मामला जीरो। निजी स्कूलों के बाद अब दिल्ली के सरकारी स्कूल और सरकार से मान्यता प्राप्त स्कूलों की मनमानी भी खुलकर सामने आने से अभिभावक परेशान हो रहे हैं। दिल्ली के फीडर स्कूलों यानी घरों के नजदीक बने निगम या अन्य दूसरे 8वीं या 10वीं तक के छोटे स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे अब जब बड़े स्कूलों में 10वीं के बाद पसंदीदा कोर्स में दाखिले के लिए जा रहें है तो स्कूलों द्वारा दाखिले से इनकार किया जा रहा है। जिससे ना सिर्फ छात्र बल्कि उनके माता पिताओं को परेशानी में डाल दिया है। स्कूल इस फीडर योजना को स्कूल घता बताए जा रहे हैं और सरकार है कि अभिभावकों की शिकायतों और अनुरोधों पर ध्यान नहीं दे रही है। जबकि एक समय मनमोहन सिंह जी की सरकार में 1 अप्रैल 2010 को भारतीय संविधान में 21ए जोड़कर शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में स्थान दिया गया था। और 2004- 5 में कांग्रेस की ही शीला दीक्षित की सरकार ने तो ईडब्लूएस लागू कर निजी स्कूलों में गरीब वर्गों से आने वाले बच्चों के लिए 25% का कोटा जरूरी कर दिया था ताकि गरीब, पीड़ित और वंचित वर्गो से आने वाले बच्चों को शिक्षा

जल्द मिलेगी आधुनिक और हाईटेक बस टर्मिनल की सौगात : पंकज

नई दिल्ली, । दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को कहा कि दिल्ली परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते हुए बताया कि दिल्ली के लोगों को बहुत जल्द एक आधुनिक और हाईटेक बस टर्मिनल की सौगात मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली के नरेला के सेक्टर-9 में 4000 वर्गमीटर क्षेत्र पर अत्याधुनिक बस टर्मिनल बनकर तैयार हो रहा है। इस आधुनिक, हाईटेक और विश्व स्तरीय बस टर्मिनल को बहुत जल्द दिल्ली की जनता को समर्पित कर दिया जाएगा।

पंकज कुमार सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और दिल्ली मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली को विकसित भारत की विकसित राजधानी बनाने के संकल्प को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। विकसित दिल्ली संकल्प पत्र ह्न 2025 के तहत सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में हमारी सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाएं हैं। हमारी सरकार दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के बेड़े में शामिल हो रही नई बसों के साथ ही इलेक्ट्रिक बसों के बढ़ते बेड़े को भी ध्यान में रखते हुए राजधानी दिल्ली के सभी बस डिपो और बस टर्मिनल को अपग्रेड करने का काम कर रही है। जहां इलेक्ट्रिक बसों को चार्जिंग की सुविधा और मेंटेनेंस के साथ ही बस यात्रियों, ड्राइवरों की सुविधा का भी विशेष तौर पर ध्यान रखा जा रहा है।

डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि डीटीसी ने राजधानी के नरेला इलाके के सेक्टर-9 में अर्बन ट्रांसपोर्टेशन रोड-11 के पास 4000 वर्गमीटर क्षेत्र पर 100 दिनों के रिकॉर्ड समय में अत्याधुनिक बस टर्मिनल का निर्माण का काम पूरा कर लिया है। नरेला बस टर्मिनल में यात्रियों, बस ड्राइवरों की सुविधा के साथ ही बसों के रख-रखाव लिए भी कई तरह की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। नरेला बस टर्मिनल से बस संचालन के लिए 3 समर्पित बस-बे, 34 मीटर और 40 मीटर के 2 आधुनिक शेड का निर्माण, बसों के लिए पार्किंग की व्यवस्था, शानदार कैंटीन, स्वच्छ एवं सुलभ शौचालय ब्लॉक, सुरक्षित पेयजल के लिए आरओ वाली पानी की व्यवस्था के साथ ही भविष्य की जरूरतों को देखते हुए इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग पॉइंट भी स्थापित किए गए हैं। नरेला बस डिपो राजधानी में स्वच्छ, कुशल और सुलभ परिवहन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। मंत्री ने कहा कि नरेला बस टर्मिनल से ज्यादातर इलेक्ट्रिक बसों का राजधानी दिल्ली के प्रमुख मार्गों पर संचालन होगा। इस बस टर्मिनल से चलने वाली बसें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन, मोरी गेट, दिल्ली सचिवालय, उत्तम नगर, दयालु कॉलोनी और बॉर्डर एरिया को जोड़ेंगी। बसों के नरेला डिपो से संचालित होने से उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में आवागमन बेहतर होने के साथ राजधानी के हर कोने में स्वच्छ और हरित परिवहन का उद्देश्य भी पूरा होगा।

श्रम विभाग में ऑनलाइन सुनवाई की व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए : कपिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के श्रम मंत्री कपिल मिश्रा ने बुधवार को श्रम विभाग की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने सुझाव दिया कि विभाग में वर्चुअल हियरिंग (ऑनलाइन सुनवाई) की व्यवस्था को शीघ्र लागू किया जाना चाहिए ताकि श्रमिक अपने मामलों की सुनवाई में भौगोलिक बाधाओं के बिना भाग ले सकें। इस बैठक में श्रम विभाग के आयुक्त, संयुक्त आयुक्त एवं जिला स्तर के उपायुक्तों ने भाग लिया।

बैठक का मुख्य फोकस श्रम विभाग में सूचना तकनीक के उपयोग को बढ़ाने और लंबित श्रमिक मामलों के त्वरित समाधान पर रहा। मंत्री ने कहा कि श्रम विभाग का मूल दायित्व श्रमिकों के हितों की रक्षा करना है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर श्रमिकों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। चाहे मामला वेतन से जुड़ा हो, नौकरी से निकाले जाने का हो, प्रबंधन के खिलाफ हो या क्षतिपूर्ति से संबंधित–हर केस का त्वरित और निष्पक्ष निपटान किया जाना चाहिए। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि श्रम विभाग के पोर्टल पर सभी केसों की सूची, संबंधित आदेशों और विभागीय निर्णयों को सार्वजनिक किया जाए। इससे शिकायतकर्ता या पीड़ित पक्ष को समय पर सही और पारदर्शी जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही विभाग की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार श्रमिकों के कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी एक भी श्रमिक के साथ अन्याय सहन नहीं किया जाएगा। ये श्रमिक ही देश की नींव हैं, देश के असली निर्माता हैं। उनके अधिकारों की रक्षा हमारा पहला दायित्व है। मंत्री ने यह भी बताया कि विभागीय प्रक्रियाओं को सरल, तकनीकी और जनोपयोगी बनाने की दिशा में कई सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से विभागीय कार्यों की नियमित समीक्षा करने और फील्ड स्तर पर श्रमिकों से संवाद बनाए रखने की अपील की। बैठक के अंत में अधिकारियों ने मंत्री को विभाग की वर्तमान कार्यप्रणाली, तकनीकी ढांचे और लंबित मामलों की स्थिति से अवगत कराया।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत

गोंदिया - अंतरराष्ट्रीय स्तरपर मादक पदार्थों के सेवन और नशीली दवाओं के दुरुपयोग तथा उसकी अवैध तस्करी के मामलों से करीब-करीब हर देश पीड़ितहै और वह समस्या दिनोंदिन बढ़ती ही जा रही है। खासकर मानवीय युवा पीढ़ी जिन्हें भविष्य की बागडोर संभालनीं है, यानें हमारी अगली पीढ़ी बनने वाले युवा और बच्चों की रुचि मादक पदार्थों में बढ़ती ही जा रही है हम अपने आसपास भी देखते होंगे कि बच्चे भी सिगरेट, बीड़ी, बीयर पीने की ओर आगे बढ़ते दिखाई दे रहे हैं जो वैश्विक समस्या बनती जा रही है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यहां गुटखा पाबंदी होने के बावजूद स्कूलों के आसपास भी भारी मात्रा में तंबाकू युक्त गुटके मिलते रहते हैं जो बिना मिलीभगत के संभव नहीं है, नशा, एक ऐसी बीमारी है जो कि युवा पीढ़ी को लगातार अपनी चपेट में लेकर उसे कई तरह से बीमार कर रही है शराब, सिगरेट,तम्बाकू एवं ड्रग्स जैसे जहरीले पदार्थों का सेवन कर युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा नशे का शिकार हो रहा है। आज फुटपाथ और रेल्वे प्लेटफार्म पर रहने वाले बच्चे भी नशे की चपेट में आ चुके हैं। लोग सोचते हैं कि वो बच्चें कैसे नशा कर सकते है जिनके पास खाने को भी पैसा नहीं होता। परंतु नशा करने के लिए सिर्फ मादक पदार्थों की ही जरूरत नहीं होती, बल्कि व्हाइटनर,नेल पॉलिश, पेट्रोल आदि की गंध, ब्रेड के साथ विक्स और झंडु बाम का सेवन करना, कुछ इस प्रकार के नशे भी किए जाते हैं, जो बेहद खतरनाक होते हैं नशे की लत ने इंसान को उस स्तर पर लाकर खड़ा कर दिया है कि अब व्यक्ति मादक पदार्थों के सेवन के लिए किसी भी हद तक जा सकता है, वह नशे के लिए जुर्म भी कर सकता है। नशे के मामले में महिलाएं भी पीछे नहीं है। महिलाओं द्वारा भी मादक पदार्थों का बहुत अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है। व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में तनाव, प्रेम संबंध, दांपत्य जीवन व तलाक आदि कारण, महिलाओं में नशे की बढ़ती लत के लिए जिम्मेदार है इसीलिए ही नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दिवस 26 जून 2025 के उपलक्ष में हम इस आर्टिकल के माध्यम से,आओ नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी को रोकने सक्रिय भूमिका बढ़ाएं पर परिचर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम नशीली दवाओं के दुरुपयोग की करें तो, ड्रग्स एंड क्राइम पर संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओडीसी) ने उल्लेख किया है, एक साथ, हम विश्व नशीली दवाओं की समस्या से निपट सकते हैं। मजबूत दृढ़ संकल्प और नशीली दवाओं से संबंधित ज्ञान साझा करके, हम सभी नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एकअंतरराष्ट्रीय समाज के लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।जब ड्रग्स का दुरुपयोग व्यापक रूप से समाज के अमीर और गरीब वर्ग के बीच फैल जाता है तो उस समय सबसे अधिक अनिवार्य है नशीले पदार्थों के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामुदायिक सहायता की जरूरत की। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ युद्ध में प्रसिद्ध कहावत रोकथाम इलाज से बेहतर है, काफी प्रासंगिक है। ड्रग्स के दुरुपयोग और इससे जुड़ी अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के दिन जनजागृति बढ़ाना जरूरी है।

साथियों बात अगर हम मादक पदार्थों की करेंतो गुटखा तंबाकू तंबाकू के उपयोग से होने वाली हानियां, मदिरा अफीम, कोकीन, भांग, चरस, गांजा , हशीश, एलएसडी आदि अन्य पदार्थ भी मादक पदार्थों के रूप में प्रचलन में है। युवा इनको प्रयोग विभिन्न कारण से कर बैठते हैं और चंगुल में फंस जाते हैं। इनके प्रयोग से दुष्प्रभाव परिवार से विच्छेदन, अपराध प्रवृति की वृद्धि शारीरिक एवं मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आते हैं। कुछ समय के लिए मस्ती देनेवाले नशीले द्रव्यों के निरंतर सेवन से मनुष्य के तन-मन निष्क्रिय और शिथिल हो जाते हैं, दृष्टि कमजोर हो जाती है, पाचनशक्ति मंद पड़ जाती है तथा ह्रदय और फेफड़ों पर बुरा असर पड़ता है। इससे स्वास्थ्य चौपट हो जाता है और मनुष्य असमय ही मृत्यु का द्वार खटखटाने लगता है। नशीली दवाओं की लत एक कट्टर दानव है जो हमारे समाज के विकास पर रोक लगा सकती है। कैंसर जैसी अनेक भयंकर बीमारियां हमेशा सक्रियता से होने का डर बना रहता है।

साथियों बात अगर हम भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कौन-कौन से कदम उठाए हैं, की करें तो भारत में नशा मुक्ति के लिए सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, ताकि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी को रोका जा सके।यहां कुछ प्रमुख सरकारी प्रयासों का विवरण दिया गया है:(1)नशा मुक्त भारत अभियान-यह अभियान अगस्त 2020 में शुरू किया गया था,इसका उद्देश्य देशभर में नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाना, लोगों को सहायता देना और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराना है।अब तक 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को जागरूक किया जा चुका है, 3 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थान और 8,000 से अधिक मास्टर वॉलंटियर्स इस अभियान में जुड़े हैं। (2) कानूनी और प्रशासनिक सख्ती-नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस एक्ट के तहत सख्त कानून बनाए गएहैं2014 के बाद से ड्रग्स के मामलों में 152 पेर्सेंट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, गिरफ्तारियों में 400 पेर्सेंट की वृद्धि हुई है और जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 30 गुना बढ़ा है। 2014 से अब तक 12 लाख किलोग्राम से अधिक ड्रग्स नष्ट की गई हैं। (3) इंटर-एजेंसी समन्वय और तकनीकी उपाय -नारको कोऑर्डिनेशन सेंटर और जॉइंट कोऑर्डिनेशन कमेटी के जरिए विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया गया है सिम्स पोर्टल विकसित किया गया है, जिससे ड्रग्स से जुड़े मामलों की मॉनिटरिंग और डेटा ट्रैकिंग आसान हुई है समुद्री मार्गों की निगरानी के लिए विशेष टास्क फोर्स बनाई गई है। (4) जागरूकता और शिक्षा-स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। युवाओं और अभिभावकों के लिए कार्यशालाएं, सेमिनार और काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जाते हैं, ताकि वे नशे के दुष्परिणाम समझ सकें और समय रहते मदद ले सकें। (5) पुनर्वास और सहायता केंद्र-देशभर में सरकारी और गैर-सरकारी पुनर्वास केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां नशा पीड़ितों को इलाज, काउंसलिंग और पुनर्वास की सुविधा मिलती है। (6) सीमा सुरक्षा और तस्करी पर नियंत्रण-भारत की सीमाओं पर सुरक्षा एजेंसियों को मजबूत किया गया है, ताकि ड्रग्स की तस्करी को रोका जा सके।ड्रग्स की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच और संपत्ति जब्त करने जैसी सख्त कार्रवाई की जा रही है। (7) समुदाय और परिवार की भागीदारी-सरकार समुदाय और परिवारों को भी नशा मुक्ति अभियान में शामिल कर रही है, ताकि समाज का हर वर्ग इसमें भरपूर स्वेच्छा से सहयोग दे सके।

साथियों बात अगर हम 26 जून दिवस को भारत में मनाने की करें तो पीआईबी के अनुसार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय हर वर्ष 26 जून को मादक पदार्थ और उनकी अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाता है। मादक पदार्थों की मांग में कमी लाने के लिए यह प्रमुख मंत्रालय है। यह मादक पदार्थों के इस्तेमाल की रोकथाम के सभी पहलुओं की निगरानी करता है, जिसमें समस्या की सीमा का आकलन, उसके रोकथाम का कार्य, इलाज और व्यसन करने वालों के पुनर्वास, सूचना का प्रसार और लोगों में जागरूकता पैदा करना शामिल है। मंत्रालय स्वयंसेवी संगठनों के जरिए व्यसन करने वालों की पहचान, उनका इलाज और उनके पुनर्वास के लिए समुदाय आधारित सेवाएं प्रदान करता है। मंत्रालय नशे की लत छुड़ाने वाले केन्द्रों को चलाने के लिए देशभर के एनजीओ को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। मंत्रालय ने नशे की लत छुड़ाने के लिए 24 घंटे का एक राष्ट्रीय टोल फ्री हेल्पलाईन नंबर स्थापित किया है, जो नशा करने वालों, उनके परिवार और समाज की बहुत ही मदद करता है।

साथियों बात अगर हम इस दिवस के इतिहास की करें तो, 7 दिसंबरे 1987 को संयुक्त राष्ट्र की 93वीं पूर्ण बैठक के बाद , 13 दिसंबरे 1985 के संकल्प 40/122 को याद करते हुए हर साल 26 जून को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है यूएनओ डीसी के अनुसार, दुनिया भर में लगभग 200 मिलियन लोग कोकीन, भांग, मतिभ्रम, अफीम और शामक सम्मोहन जैसी अवैध दवाओं का उपयोग कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र नशीली दवाओं के दुरुपयोग से मुक्त एक अंतरराष्ट्रीय समाज बनाने में मदद करने के लिए दृढ़ संकल्पित था। इस संकल्प ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी परे 1987 के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की रिपोर्ट और निष्कर्षों के संबंध में आगे की कार्रवाई की सिफारिश की। संकल्प के बाद 1991 से 2000 के वर्षों को नशीले पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र दशक के रूप में घोषित किया गया था। 1998 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वैश्विक नशीली दवाओं की समस्या के समाधान के लिए एक राजनीतिक घोषणा को अपनाया। घोषणा समस्या से लड़ने के लिए संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों की प्रतिबद्धता को व्यक्त करती है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,नशीली दवाओं के दुरुपयोग, अवैध तस्करी रोकनें में सक्रिय सामुदायिक सहायता की जरूरत हैं,नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस 26 जून 2025 पर विशेष है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने समुदायिक सहायता की जरूरत है।मादक पदार्थों के प्रयोग से दुष्प्रभाव-परिवारों से विच्छेदन, आपराधिक प्रवृत्ति में वृद्धि, शारीरिक व मानसिक कमजोरी के रूप में सामने आती है।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9359653465

मोदी सरकार का अप्रत्यक्ष आपातकाल इंदिरा गांधी के प्रत्यक्ष आपातकाल से ज्यादा खतरनाक है

आपातकाल का करण

1971 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी के प्रतिद्वंद्वी राज नारायण जी ने इंदिरा गांधी के राय बरेली चुनाव को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दिए जिसमें यह कहा गया कि इंदिरा जी अपने चुनाव प्रचार के दौरान सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया। बहस के बाद 12 जून 1975 को इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति जगदीश लाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी के चुनाव को रद्द किया और उनको आगे 6 साल के लिए चुनाव लड़ने से अयोग्य की घोषित कर दिया।

उस फैसले के खिलाफ श्रीमती इंदिरा गांधी सुप्रीम कोर्ट के अवकाश कालीन पीठ में चैलेंज किया,24 जून 1975 को अवकाश कालीन पीठ के न्यायमूर्ति वी आर कृष्णा अय्यर ने हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा और कहा कि वे लोकसभा में जा सकती हैं लेकिन संसद की कार्यवाही में वोट नहीं डाल सकती। इंदिरा गांधी के सहयोगियों में से बंगाल के तत्कालीन मुख्यमंत्री सिद्धार्थ शंकर राय ने उनको सलाह दिया कि आपातकालीन लगा दिया जाए और इस प्रकार 24 जून की मध्य रात में पूरे देश में आपातकाल लगा दिया गया। संविधान के भाग 3 में प्रदत्त मूलभूत अधिकार को सस्पेंड कर दिया गया। इमरजेंसी के दौरान विपक्षी पार्टियों के नेताओं को हजारों लोगों को मीसा कानून के तहत जेल में ठूस दिया गया। अंत में 1977 में श्रीमती इंदिरा गांधी को मजबूर होना पड़ा और लोकसभा का चुनाव करवाई,जिसमें उनकी करारी हार

मोदी सरकार का अप्रत्यक्ष * आपातकाल

भारतीय जनता पार्टी के गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी जी को 2014 लोकसभा चुनाव में चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष बनाया गया और जिस तरह से उनके वादे थे खास करके बेरोजगारी और महंगाई तथा संसद को पवित्र करने के लिए वे सभी नारे 26 में 2014 को प्रधानमंत्री पद का शपथ लेने के बाद सब ठंडे बस्ती में डाल दिए गए और वर्तमान भारत सरकार के प्रधानमंत्री और उनके सलाहकार देश में अप्रत्यक्ष रूप से आपातकाल लागू कर दिया जिसका जीता जागता उदाहरण जौनपुर के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल में जब दैनिक जागरण के पत्रकार ने देश का ध्यान आकर्षित किया कि उस स्कूल के प्रधानाध्यापक रोटी में नमक देते हैं तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री अजय सिंह बिष्ट के आदेश पर उस दैनिक जागरण के पत्रकार पर मुकदमा दर्ज हो करवा दिया गया।इसी प्रकार देश में सैकड़ो मामले आए जिसमें कोई आवाज उठाने की कोशिश किया तो उसको सुना नहीं गया और सरकार के विरुद्ध आलोचना किया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी करवाई करती गई। 2014 से लेकर अब तक केंद्र सहित बीजेपी शासित राज्यों में जनसमस्याओं के खिलाफ हजारों आंदोलन हुए लेकिन मोदी सरकार उन सभी को अनसुना कर दी। सबसे चर्चित अप्रत्यक्ष आपातकाल का उदाहरण के लिए 3 कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन जो लगभग डेढ़ साल चला उस आंदोलन में 750 लोग शहीद हुए लेकिन भारत सरकार उनके किसी भी मांग को नहीं मानी और तब मनी जब वह देखी क कि यूपी 2022 के चुनाव में उनका खामियाजा भुगतना पड़ेगा तब जाकर के वह कानून वापस लिए। यही नहीं देश की जनता के मांग के बिना लेबर कोड 2020, नई शिक्षा नीति 2020 लागू कर दिया जिसमें श्रमिकों को एक गुलाम की तरह ट्रीट किया जा रहा। यही नहीं शिक्षा नीति 2020 में अप्रत्यक्ष रूप से गरीब परिवार के बच्चों से वास्तविक शिक्षा छीनने का पुलंदा तैयार किया गया है और गरीब परिवार के बच्चों को सिर्फ कारीगर बनाने का एक योजना बनाई गई है।

लोकतंत्र की मजबूती निष्पक्ष चुनाव पर निर्भर करता है इसके संदर्भ में पूरा विपक्ष एक तरफ है और मांग किया कि चुनाव बॉलेट पेपर पर चुनाव कराया जाए लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके कंपनी के इशारे पर चुनाव आयोग बॉलेट पेपर से चुनाव कराने से इनकार करता रहा है जो लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है यही नहीं जनता के मांग के बिना इलेक्टोरल बांड लाया गया जिससे आम जनता से नहीं लेकिन चुनिंदा लोगों से जो चंदा नहीं देते थे उनको इलेक्टोरल बांड के नाम पर धमकाया गया यह भी एक आपातकाल का लक्षण है इलेक्टोरल बांड को सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक बेंच ने एक मत असंवैधानिक करार दिया।

विपक्षी पार्टियों के लिए जहां-जहां भी भारतीय जनता पार्टी शासित सरकार हैं वहां पर धरना प्रदर्शन करने के लिए परमिशन नहीं मिलता है यहां तक की दिल्ली में लोक समाज पार्टी का धरना प्रदर्शन तीन बार रद्द किया गया और कोर्ट के आदेश के बावजूद ऐसी शर्त लगा देते हैं कि धरना प्रदर्शन नहीं हो सकता है जो भारतीय जनता पार्टी को बिना परमिशन के धरना प्रदर्शन की अनुमति मिल जाती है।धरना प्रदर्शन पदयात्रा असहयोग आंदोलन लोकतंत्र की जननी है ।जितना धरना प्रदर्शन पदयात्रा देश में होंगे लोकतंत्र उतना मजबूत होगा लेकिन केंद्र सरकार और भारत सरकार के अधीन भारतीय जनता पार्टी के अधीन जितने भी राज्य सरकार हैं सभी धरना प्रदर्शन करने पर लाठी चार्ज करवाया जाता है चाहे वह इलाहाबाद के छात्रों का आंदोलन हो बिहार में छात्रों का आंदोलन हो टीचर या आंगनबाड़ी कार्यकताओं का आंदोलन हो सब पर बर्बरता की तरह लाठी चार्ज की जा रही है। ऐसा शासन चलाया जा रहा है कि जलियांवाला बाग कांड को यह सरकार फेल कर दे रही है और इस प्रकार देखा जाए भारतीय जनता पार्टी चाहे केंद्र की सरकार सही मायने में अप्रत्यक्ष आपातकाल लगाए हुए हैं लोक समाज पार्टी इस अप्रत्यक्ष आपातकाल का जेल भरो आंदोलन पूरे देश में करेगी और इस प्रकार बीजेपी सरकार को अप्रत्यक्ष आपातकाल हटाने को मजबूर होगी।

गौरी शंकर शर्मा (एडवोकेट) राष्ट्रीय अध्यक्ष लोक समाज पार्टी
7217864613
9911140170

सम्पादकीय...

सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों नई दिल्ली में एक पूर्व आईएएस अधिकारी द्वारा लिखित एक पुस्तक का विमोचन किया। इसी कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक वाक्य बोलकर राष्ट्रीय स्तर पर भाषाई विवाद को जन्म दे दिया। गृह मंत्री ने कहा कि "इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को 'शर्म' आएगी, ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है। " उत्तर से लेकर दक्षिण तक अमित शाह के इस बयान की काफी तीखी आलोचना हुई। कुछ लोगों ने अंग्रेजी को रोजगार परक भाषा बताया तो कुछ का मानना था कि आत्मविश्वास के लिए अंग्रेजी का ज्ञान अत्यंत आवश्यक है। जबकि कुछ नेताओं ने इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता को कमजोर करने और हिंदी थोपने के प्रयास की नजरों से देखा। आश्चर्य की बात तो यह है कि भारत सरकार के ही अनेक मंत्री ऐसे हैं जो धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते हैं। कई प्रमुख मंत्री हैं तो ऐसे भी हैं जो अंग्रेजी में प्रभावी ढंग से संवाद करने के लिए ही जाने जाते हैं। उदाहरण के तौर पर वित्त और कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं। वे जेएनयू से अर्थशास्त्र की डिग्री धारक है। वित्तीय नीतियों पर वैश्विक मंचों जैसे जी 20 पर उनके भाषण उनके अंग्रेजी बोलने के कौशल को दर्शाते हैं। इसी तरह विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर, जो पूर्व राजनयिक भी रहे हैं, अंग्रेजी में असाधारण रूप से धाराप्रवाह हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंचों, प्रेस कॉन्फ्रेंस और कूटनीतिक चर्चाओं में प्रायः अंग्रेजी का व्यापक उपयोग करते हैं। इसी प्रकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी अंग्रेजी बड़े ही आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और निवेश से संबंधित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में उनकी धारा प्रवाह अंग्रेजी उनकी काबलियत में चार चाँद लगाती है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, आवासन और शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी, यह भी पूर्व राजनयिक हैं तथा अंग्रेजी में उत्कृष्ट संवाद का कौशल रखते हैं। वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक मंचों पर अंग्रेजी भाषा के माध्यम से ही भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। इसी तरह नागरिक उड्डयन और इस्पात मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, जोकि हार्वर्ड और स्टेनफोर्ड से शिक्षित हैं अंग्रेजी में अत्यंत धाराप्रवाह हैं और संसद व अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसका उपयोग करते हैं। अमेरिका में शिक्षित और प्रशिक्षित चिकित्सक ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री डॉ. पेम्मासानी, जो हैं, अंग्रेजी में पूरी तरह से पारंगत हैं। इस तरह के अनेक उदाहरण हैं विशेषकर दक्षिण भारत के अधिकांश सांसद व मंत्री अंग्रेजी में संवाद करते हैं।

ऐसे में अमित शाह का यह कहना कि ऐसा समाज निर्माण अब दूर नहीं है कि इस देश में अंग्रेजी बोलने वालों को शर्म आएगी, इसका अर्थ निकालना व इसका विश्लेषण करना बेहद जरूरी है। क्यों शर्म आयेगी अंग्रेजी बोलने वालों को? स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी जब विदेश जाते हैं तो प्रॉम्प्टर पर ही सही परन्तु अंग्रेजी में ही भाषण देकर भारत का पक्ष रखते हैं? कश्मीर से कन्याकुमारी तक आप कहीं भी चले जाइये, यदि आप क्षेत्रीय भाषा बोल पाने में असमर्थ हैं तो अंग्रेजी ही ऐसी भाषा है जो एक दूसरे राज्य के लोगों के मध्य संवाद स्थापित करने का सुगम माध्यम बनती है। देश ही नहीं लगभग पूरे विश्व में अंग्रेजी भाषा विभिन्न देशों के लोगों को एक दुसरे से जोड़ने का काम करती है। आज गृह मंत्री अमित शाह के दर्जनों मंत्रिमंडलीय सहयोगियों, सांसदों व अधिकारियों व राज्य स्तरीय भाजपा नेताओं की संतानें अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे अन्य कई देशों में शिक्षा ग्रहण कर रही हैं। जाहिर है 'राष्ट्रवादियों' की यह संतानें वहां संस्कृत या हिंदी माध्यम से पढ़ने के लिये नहीं गयी हैं। बल्कि यह वहां पढ़कर अंग्रेजी भाषा में ही पारंगत होंगी। तो क्या आने वाले कल को इन्हें भी अंग्रेजी बोलने में शर्म आएगी?

इसमें कोई संदेह नहीं कि क्षेत्रीय भारतीय भाषाएं भारतीय संस्कृति के आभूषण के समान हैं। परन्तु अदालत से लेकर संसद व दूतावासों तक व मेडिकल व विज्ञान शिक्षा में खासकर प्रयुक्त होने वाली अंग्रेजी भाषा को 'शर्म ' वाली भाषा तो हरगिज नहीं कहा जा सकता। गृह मंत्री के अनुसार यदि शर्म ही आने की संभावना है तो कम से कम अपनी सरकारी योजनाओं का मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया जैसा अंग्रेजी नाम तो न रखते? इस सम्बन्ध में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि अंग्रेजी सीखना आर्थिक रूप से उपयोगी है और इससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। राहुल गांधी ने शाह के इस बयान को भारत की भाषाई बहुलता पर हमला बताया। कांग्रेस ने तो इसे सांस्कृतिक आतंकवाद का हिस्सा बताया और कहा कि अंग्रेजी वैश्विक संदर्भ में भारत के युवाओं के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसी तरह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और डीएमके ने भी शाह के बयान को हिंदी थोपने की एक और कोशिश के रूप में देखा है। डीएमके ने तर्क दिया कि अंग्रेजी भारत की भाषाई विविधता को जोड़ने वाली कड़ी है और इसे कमजोर करना देश की एकता के लिए हानिकारक हो सकता है। पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम ने अन्नादुरै का हवाला देते हुए कहा कि हिंदी को जबरन थोपना स्वीकार्य नहीं है। इसी तरह भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेताओं ने शाह की टिप्पणी को उनकी "संकीर्ण राजनीति" का परिचायक बताया और कहा कि अधिक भाषाएं सीखने से ज्ञान में वृद्धि होती है, न कि शर्मिंदगी। भारत में लोग अपनी पसंद की भाषा बोलने के लिए स्वतंत्र हैं। अंग्रेजी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण सेतु है। यह न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि नवाचार, अनुसंधान और वैश्विक सहयोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसके विपरीत अंग्रेजी को हटाने या कम करने से भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी प्रभावित हो सकती है।

इसलिये कहा जा सकता है कि अमित शाह का बयान अदूरदर्शी होने के साथ साथ पूर्वाग्रह पूर्ण भी है जोकि भारत की भाषाई विविधता को नजरअंदाज करता है। वैसे भी हमारे समाज में अंग्रेजी बोलने वालों को हमेशा इज्जत की नजर से देखा जाता है, इसलिये भी यह बयान सामाजिक समानता के विरुद्ध है। रहा सवाल अंग्रेजी को सामाजिक प्रतिष्ठा से जोड़ने की मानसिकता को औपनिवेशिक सोच से जोड़ने का परिणाम बताना तो हमारा पहनावा, उपयोग की वस्तुयें, क्रॉकरी, मकानों की बनावट वैज्ञानिक सामग्रियों पर बढ़ती निर्भरता यह सब भी पश्चिमी प्रभाव का ही परिणाम है। हम किन किन चीजों को पश्चिमी कहकर ठुकराते रहेंगे? इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयानों से हिंदी या क्षेत्रीय भाषाओं का भला तो नहीं होगा बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण जरूर बढ़ सकता है। खासकर दक्षिणी राज्यों में इसे क्षेत्रीय अस्मिता पर हमले के रूप में भी देखा जा सकता है। इसलिये देश की एकता व अखंडता के लिये भाषाई विवाद खड़ा करना बेहद खतरनाक है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार पाठी ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पैंथलक्ष्मी एस्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार पाठी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/00882)

प्रधानमंत्री मोदी ने 'संविधान हत्या दिवस' पर आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में शामिल सभी योद्धाओं को सलाम किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश में साल 1975 में थोपे गए आपातकाल की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'संविधान हत्या दिवस' पर इस काले कालखंड की लड़ाई में शामिल हर योद्धा को सलाम किया है। उन्होंने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर लिखा " हम अपने संविधान में निहित सिद्धांतों को मजबूत करने तथा विकसित भारत के अपने सपने को साकार करने के लिए मिलकर काम करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। हम प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएं तथा गरीबों और वंचितों के सपनों को पूरा करें।"

प्रधानमंत्री मोदी ने 'संविधान हत्या दिवस' के संबंध में एक्स पर कई पोस्ट किए हैं। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने लिखा, " हम आपातकाल के खिलाफ लड़ाई में डटे रहने वाले हर व्यक्ति को सलाम करते हैं! ये पूरे भारत से, हर क्षेत्र से, अलग-अलग विचारधाराओं से आए लोग थे जिन्होंने एक ही उद्देश्य से एक-दूसरे के साथ मिलकर काम किया। भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की रक्षा करना और उन आदर्शों को बनाए रखना जिनके लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने अपना जीवन समर्पित कर दिया। यह उनका सामूहिक संघर्ष ही था जिसने सुनिश्चित किया कि तत्कालीन कांग्रेस सरकार को लोकतंत्र बहाल करना पड़ा और नए चुनाव कराने पड़े, जिसमें वे बुरी तरह हार गए।"

देश में मानसून की रफ्तार तेज, अगले 7 दिनों तक कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, (हि.स.)। देशभर में दक्षिण-पश्चिम मानसून पूरी तरह सक्रिय है। यह अब राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ रहा है। भारतीय मौसम विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, अगले 7 दिनों तक देश के उत्तर-पश्चिम, मध्य, पूर्व और पूर्वोत्तर हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। विशेष रूप से 25 जून की रात को ओडिशा और गुजरात क्षेत्र में कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी गई है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पिछले 24 घंटों के दौरान गुजरात और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा पूर्वी राजस्थान, उत्तर हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश, अंडमान द्वीप, मध्य महाराष्ट्र, कर्नाटक, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, विदर्भ, छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तर प्रदेश और केरल सहित देश के कई इलाकों में अलग-अलग स्थानों पर अच्छी बारिश हुई। वहीं गुजरात, हिमाचल, महाराष्ट्र, अंडमान-निकोबार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में 40 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चली।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, मध्य प्रदेश के ऊपर एक ऊपरी हवा का चक्रवात बना हुआ है, जिससे आने वाले दिनों में मध्य और आसपास के इलाकों में ज्यादा बारिश हो सकती है।

बादल फटने से कुल्लू में तीन लोग बहे, पांच जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश में मानसून ने दस्तक देते ही अपना विकराल रूप दिखाना शुरू कर दिया है। खासकर कुल्लु जिले में बुधवार को बादल फटने की कई घटनाएं सामने आई हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। वहीं प्रदेश के पांच जिलों में फ्लैश फ्लड का येलो अलर्ट जारी किया गया है। कुल्लु जिले के सैंज घाटी, गड़सा, बंजार और मणिकर्ण के ब्रह्मगंगा नाले में बादल फटने की घटनाएं हुई हैं। सैंज के जीवनाला, गड़सा घाटी के शिलागढ़, मनाली के स्नो गैलरी और बंजार के होरनगढ़ क्षेत्रों में दोपहर बाद अचानक बारिश का जोर बढ़ा और बादल फटने से नदियों-नालों में बाढ़ आ गई। इससे कई वाहन बह गए और दर्जनों स्थानों पर सड़कें व पुल क्षतिग्रस्त हो गए। अतिरिक्त उपायुक्त कुल्लू अश्वनी कुमार ने बताया कि कुल्लू में तीन स्थानों पर बादल फटने की पुष्टि हुई है। इनमें सैंज का जीवा नाला, गड़सा की शिलागढ़ घाटी और मनाली के स्नो गैलरी क्षेत्र शामिल हैं। सैंज घाटी के महान नाले में अचानक जलस्तर बढ़ गया। गड़सा घाटी में हुरला, पन्हा और मनिहार नालों में भारी जलप्रवाह दर्ज किया गया है। बंजार के होरनगढ़ क्षेत्र में बंजार-बठाहर सड़क पर बना एक छोटा पुल और एक वाहन बाढ़ में बह गया। होरनगढ़ पटवार सर्कल के चेहणी गांव में एक गोशाला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई है और सरकारी प्राथमिक विद्यालय में पानी व मलबा घुस गया है।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में बिक्रमजीत मजीठिया गिरफ्तार

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब विजिलेंस ने पूर्व अकाली मंत्री बिक्रम मजीठिया को आय से अधिक संपत्ति के मामले में अमृतसर से गिरफ्तार किया गया है। मजीठिया के विरुद्ध मंगलवार की देररात मामला दर्ज किया गया था। मजीठिया की गिरफ्तारी की खबर सुनते ही पंजाब में कई जगह अकाली कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन भी किया। विजिलेंस की टीम बुधवार सुबह एसएसपी लखबीर सिंह की अगुआई में मजीठिया के अमृतसर में ग्रीन एवेन्यू स्थित घर पर पहुंची। जहां कई घंटे तक सर्च के बाद मजीठिया को गिरफ्तार कर लिया गया। मजीठिया को गिरफ्तार करने से पहले अमृतसर में उनके आवास की तरफ जाने वाले सभी रास्तों को पुलिस ने सील कर दिया और भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया। विजिलेंस ब्यूरो मजीठिया को देर शाम मोहाली कोर्ट में पेश करेगा। विजिलेंस ने बिक्रम मजीठिया के घर से मोबाइल फोन, लैपटॉप, आईपैड, डायरियां और अन्य दस्तावेज जब्त किए हैं। मजीठिया ने कहा कि सारी कार्रवाई राजनीतिक बदले की भावना से की जा रही है। मजीठिया की विधायक पत्नी गनीव कौर ने कहा कि विजिलेंस टीम ने घर में जबरन घुसकर धक्का-मुक्की की है। विजिलेंस ब्यूरो ने अभी तक इस संबंध में अधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

अब रैपिडो ऐप से बुक किया जा सकेगा दिल्ली मेट्रो का टिकट

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली-एनसीआर में यात्रा को और ज्यादा सहज बनाने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए रैपिडो ने एक नई सेवा शुरू की है। जिसके तहत यात्री रैपिडो ऐप से ही दिल्ली मेट्रो का टिकट बुक कर सकेंगे। इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने रैपिडो और ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) से साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत अब यात्री रैपिडो ऐप के माध्यम से सीधे दिल्ली मेट्रो की टिकट बुक कर सकेंगे। इतना ही नहीं मेट्रो और मेट्रो से उतरने के बाद गंतव्य तक यात्रा की पूरी बुकिंग एक ऐप के माध्यम से कर सकेंगे। इस एकीकृत समाधान का उद्देश्य यात्रियों को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर टिकटिंग से लेकर लास्ट माइल कनेक्टिविटी तक की परिवहन सुविधा प्रदान करना है। इस सुविधा से क्या मिलेगा फायदा स्टेशनों पर निर्धारित पिकअप/ड्रॉप प्वाइंट- यात्रियों को ढूंढने की परेशानी नहीं, ऐप में बताए गए पॉइंट्स पर ही मिलेगी सेवा। महिलाओं के लिए खास इंतजाम- भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर सुरक्षित पिकअप जोन सुनिश्चित किए गए हैं। बाइक टैक्सी का फ्लैट 25 रुपये किराया छूट-मेट्रो यात्रियों के लिए अंतिम छोर तक किफायती सवारी का विकल्प। इस मौके पर डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार, संचालन निदेशक अमित कुमार जैन, ओएनडीसी के सीईओ विभोर जैन और वाणिज्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव संजीव जैसे प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे। दिल्ली मेट्रो के एमडी डॉ. विकास कुमार ने कहा, ''दिल्ली मेट्रो लगातार डिजिटल नवाचारों के माध्यम से यात्रियों को और अधिक सुविधाजनक यात्रा अनुभव देने की दिशा में काम कर रही है।

आपातकाल लोकतंत्र का काला अध्याय, इसे देश भूले नहीं: अमित

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को संविधान हत्या दिवस पर कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का सबसे काला अध्याय था, जिसे देश को हमेशा याद रखना चाहिए ताकि वह त्रासदी दोबारा न दोहराई जाए। अमित शाह देश में आपातकाल लागू होने के 50 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित 'संविधान हत्या दिवस' कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। शाह ने कहा कि 25 जून 1975 की रात लगाए गए आपातकाल ने संविधान की आत्मा को कुचलने का काम किया था। देश को एक जेलखाना बना दिया गया था, न्यायपालिका को मौन कर दिया गया था और प्रेस की कलम से स्याही छीन ली गई थी। इसीलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा लिखित पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज: ईयर दैट फोर्ज्ड आवर लीडरशिप का विमोचन भी किया गया। शाह ने बताया कि यह पुस्तक नरेन्द्र मोदी के आपातकाल के दौरान एक 24-25 वर्षीय युवा संघ प्रचारक के रूप में भूमिगत संघर्ष, मीसा बंदियों की मदद और गुप्त समाचार पत्रों के वितरण जैसे प्रयासों को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने साधु, सरदारजी, हिप्पी, अगरबत्ती या अखबार विक्रेता के रूप में जमीन पर काम किया। उन्होंने युवाओं से इस पुस्तक को अवश्य पढ़ने की अपील की।

अमित शाह ने कहा कि आपातकाल के दौरान कांग्रेस की सत्ता ने एक विचार स्थापित करने की कोशिश की थी- राष्ट्र से बड़ी पार्टी, पार्टी से बड़ा परिवार और परिवार से बड़ा व्यक्ति। इसके उलट आज भारत प्रथम की सोच देशवासियों में जागृत हुई है, जो 19 महीने जेल में बंद लोकतंत्र रक्षकों की कुर्बानी का परिणाम है। शाह ने कहा कि इतिहास केवल घटनाएं नहीं बताता, बल्कि नीयत और दृष्टिकोण को भी सामने लाता है। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा गहन विमर्श के बाद बनाए गए संविधान की भावना को सिर्फ एक वाक्य में खत्म करने का प्रयास किया गया- राष्ट्रपति ने आपातकाल की घोषणा की है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस काले अध्याय को जानें, समझें और दूसरों को भी जागरूक करें ताकि फिर कोई तानाशाह संविधान को रौंदने की हिम्मत न कर सके। कार्यक्रम में एक विशेष प्रदर्शनी लगाई गई और लोकतंत्र अमर रहे यात्रा को रवाना किया गया, जो देशभर में जनजागरण करेगी।

लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप जैसा था आपातकाल : उपराष्ट्रपति

नैनीताल, (हि.स.)। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आज से पचास वर्ष पूर्व, इसी दिन लोकतंत्र को नष्ट कर देने वाला आपातकाल थोप दिया गया था, जो लोकतंत्र को नष्ट करने के लिए भूकंप से कम नहीं था। उन्होंने इस कालखंड को भारतीय लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय समय बताया। उन्होंने कहा कि उस समय की प्रधानमंत्री ने व्यक्तिगत हितों को सर्वोपरि रखते हुए कैबिनेट को दरकिनार कर राष्ट्रव्यापी आपातकाल की घोषणा करवाई और राष्ट्रपति ने संवैधानिक मर्यादाओं की उपेक्षा कर इस पर हस्ताक्षर कर दिये। उपराष्ट्रपति धनखड़ बुधवार को कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के 50 वर्ष पूरे होने पर आयोजित स्वर्ण जयंती समारोह में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं अन्य गणमान्य लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आपातकाल के दौरान लगभग 1.4 लाख लोगों को जेलों में डाल दिया गया था।

सीबीएसई 2026 से 10वीं में दो बोर्ड परीक्षाएं लेगा, पहला चरण अनिवार्य, दूसरा होगा

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शैक्षणिक सत्र 2026 से कक्षा 10वीं में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने की घोषणा की है। पहली बोर्ड परीक्षा फरवरी में आयोजित की जाएगी और सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी, जबकि मई माह में होने वाली दूसरी बोर्ड परीक्षा उन छात्रों के लिए वैकल्पिक होगी जो अपना प्रदर्शन सुधारना चाहते हैं। सीबीएसई के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज ने बुधवार को बताया कि यह निर्णय राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की सिफारिशों के अनुरूप लिया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम करना और उन्हें सुधार का अवसर देना है। इस नई व्यवस्था से परीक्षा की हाई स्टेक्स प्रकृति को कम किया जाएगा और छात्रों को अधिक लचीलापन मिलेगा। बोर्ड ने यह निर्णय व्यापक विचार-विमर्श और हितधारकों की राय के बाद लिया है। नई योजना के तहत पहली परीक्षा सभी छात्रों के लिए अनिवार्य होगी, जबकि दूसरी परीक्षा इच्छुक छात्रों के लिए सुधार का अवसर प्रदान करेगी। छात्र विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान और भाषाओं में से किसी भी तीन विषयों में प्रदर्शन सुधारने के लिए दूसरी परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।

हालांकि, अगर कोई छात्र पहली परीक्षा में तीन या अधिक विषयों में शामिल नहीं होता है, तो उसे दूसरी परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ऐसे छात्रों को आवश्यक पुनरावृत्ति श्रेणी में रखा जाएगा और उसे अगले साल फरवरी में दोबारा परीक्षा देनी होगी। खेल में हिस्सा लेने वाले छात्र, जिनकी परीक्षाएं खेल आयोजनों से टकराती हैं, उन्हें दूसरी परीक्षा में बैठने की सुविधा मिलेगी। वहीं, सर्दी-प्रभावित क्षेत्रों के स्कूलों के छात्र पहली या दूसरी परीक्षा का विकल्प चुन सकते हैं। सीडब्ल्यूएसएन (दिव्यांग) छात्रों को दोनों परीक्षाओं में विशेष सुविधाएं जारी रहेंगी। पहली बोर्ड परीक्षा फरवरी के मध्य में और दूसरी मई में आयोजित की जाएगी।

खत्म होगा 41 साल का इंतजार! आज अंतरिक्ष में भारत की नई उड़ान...शुभांशु शुक्ला रचेंगे

भारत के लिए आज एक ऐतिहासिक और गर्व का दिन है. 41 साल के लंबे इंतजार के बाद, एक बार फिर भारत अंतरिक्ष में नई उड़ान भरने जा रहा है. भारतीय वायुसेना के जांबाज ग्रुप कैप्टन और एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला, राकेश शर्मा के बाद अंतरिक्ष में कदम रखने वाले दूसरे भारतीय बनकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं. अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और निजी कंपनी एक्सिओम स्पेस का ये एक्सिओम-4 मिशन न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बेहद खास है. शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट करीब 28.5 घंटे के बाद 26 जून को शाम 04:30 बजे ISS से जुड़ेगा'एक्सिओम-4 एक पूरी तरह से निजी यानी कमर्शियल अंतरिक्ष मिशन है, जिसे फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स (स्क्रू) के शक्तिशाली फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए लॉन्च किया जाएगा. इस मिशन का लक्ष्य 4 अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक ले जाना है.

बतौर पायलट शामिल होंगे शुभांशु

इस मिशन के पायलट के तौर पर भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को चुना गया है. वे एक कुशल टेस्ट पायलट हैं और अंतरिक्ष मिशन के लिए चुने जाने से पहले उन्होंने कई कठिन परीक्षण पास किए हैं. उनके साथ इस मिशन में हंगरी के तिबोर कापु और पोलैंड के स्लावोस उज्नांस्की-विस्नेव्स्की बतौर मिशन स्पेशलिस्ट शामिल होंगे. टीम की कमान नासा की सबसे अनुभवी एस्ट्रोनॉट्स में से एक, पैगी व्हिटसन संभाल रही हैं, जो खुद कई बार अंतरिक्ष की यात्रा कर चुकी हैं.

दिल्ली में होगा व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन : रेखा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि दिल्ली के व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए दिल्ली व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाएगा। श्रीमती रेखा गुप्ता ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बोर्ड के गठन की मांग दिल्ली के कारोबारी लंबे समय से कर रहे थे। इस प्रस्ताव को मंगलवार को कैबिनेट की मंजूरी मिल गई थी।

उन्होंने कहा कि इस बोर्ड के गठन की घोषणा उन्होंने अपने बजट भाषण में भी की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वैधानिक निकाय होगा। व्यापार जगत से जुड़े लोग जो वर्षों से समस्याओं का सामना कर रहे थे उसका समाधान करना इस बोर्ड का उद्देश्य होगा। यह बोर्ड व्यापारियों की सामाजिक सुरक्षा के साथ साथ वित्तीय सहायता भी देगा। अभी तक व्यापारियों की समस्याओं को सुनने और उनका समाधान करने के लिए कोई विशेष प्लेटफॉर्म नहीं था। अब यह बोर्ड सरकार और व्यापारियों के बीच एक मजबूत चैनल के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि सरकार ने व्यापारियों के कल्याण के लिए 10 करोड़ रुपये का फंड भी आवंटित किया है। उद्योग मंत्री इस बोर्ड के चेयरमैन होंगे। इसके अलावा इसमें कुल 15 सदस्य होंगे जिनमें नौ लोग व्यापार जगत से जुड़े होंगे और छह अधिकारी सदस्य के रूप में शामिल होंगे।

कोर कमेटी नें किया कमिश्नर अश्वनी कुमार का स्वागत : ब्रह्म

नई दिल्ली, 25 जून (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी ने दिल्ली नगर निगम के कमिश्नर अश्विनी कुमार का स्वागत किया दिल्ली नगर निगम समस्त यूनियन कोर कमेटी के अध्यक्ष राज कुमार धींगान के नेतृत्व में कमिश्नर अश्विनी कुमार ने विश्वास दिलाया हम सफाई कर्मचारीयों कि कर मांग को पुरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। और कर्मचारियों के हितों के हर संभव प्रयास है कि कोई परेशानी ना हो। राज कुमार धींगान ने कहा कि कि जिस प्रकार से निगम कर्मचारियों की कमी है।

इस को देखते कर्मचारियों की भर्ती कराई जाए। और कर्मचारियों के रुके लाभांश भी दिए जाएं। तथा पक्के करने की प्रक्रिया को भी तेज किया जाऐ। इस अवसर पर कोर कमेटी के पदाधिकारी मौजूद थे। कोर कमेटी के वरिष्ठ महासचिव ब्रह्म दौकिया, मोहन पहलवान, एस.के चौधरी, राजेश बैनीवाल, संजय टांक, सत्य भान सारसर, दलीप पार्चा, मुकेश भैसवाल, कर्ण मेहरोलिया, संजीव जावा, विवेक टांक, व कोर कमेटी के सदस्य मौजूद थे

देश की सियासत में जारी है अरविंद केजरीवाल का जादू :

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। पंजाब और गुजरात विधानसभा के उपचुनाव परिणामों नें एक बार फिर से साबित कर दिया है देश की जनता काम को तवज्जो देती है ना कि झूठी सियासत को। यह कहना है आम आदमी पार्टी घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर का। अरुण तोमर कहते है इन चुनाव परिणामों नें भारतीय जनता पार्टी तथा कांग्रेस पार्टी को गुजरात तथा पंजाब में एक साथ पटखनी देते हुए यह संदेश दे दिया है आगामी विधानसभा चुनावों में दोनों राज्यों की जनता अरविन्द केजरीवाल मॉडल को ही पसंद करेगी। अरुण तोमर कहते हैं गुजरात प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी तथा होम मिनिस्टर अमित शाह की कर्मभूमि है और दोनों के साथ-साथ पूरी राज्य सरकार नें चुनाव जीतने के लिए तमाम हथकंडे अपनाये लेकिन वहां की जनता नें एक बार फिर से अरविन्द केजरीवाल की नीतियों पर भरोसा जताते हुए आम आदमी पार्टी को ही मौका दिया। अरुण तोमर कहते हैं पंजाब के लुधियाना पश्चिम विधानसभा उपचुनाव आम आदमी पार्टी जीतने में सफल रही है.

आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा को 35179 मत हासिल हुए तो कांग्रेस के भारत भूषण आशु को 24542 वोट मिले. संजीव अरोड़ा 10637 वोटों से जीत दर्ज कर विधायक बन गए हैं. इस तरह से आम आदमी पार्टी ने एक बार फिर से लुधियाना पश्चिम सीट पर अपना दबदबा बनाए रखने में सफलता हासिल की है, जो कांग्रेस के लिए सियासी तौर पर बड़ा झटका है। अरुण तोमर कहते हैं गुजरात और पंजाब दोनों राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं।

निर्वाचन आयोग द्वारा साझा किये गये आंकड़ों के मुताबिक, आप के पूर्व गुजरात अध्यक्ष इटालिया ने जूनागढ़ जिले की विसावदर सीट पर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा उम्मीदवार किरीट पटेल को 17, 554 मतों के अंतर से हराया। 21 दौर की मतगणना के बाद इटालिया को 75, 942 मत मिले, जबकि पटेल को 58, 388 मत मिले। अरुण तोमर कहते हैं दोनों राज्यों में ही अगले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की लहर रहेगी और पंजाब के साथ-साथ गुजरात में भी आम आदमी पार्टी का परचम लहराएगा।

बगहा में झोलाछाप डॉक्टर ने की महिला की जान से खिलवाड़, ऑपरेशन के दौरान मां-बच्चे की मौत, गिरफ्तार

बगहा पश्चिम चंपारण। नगर थाना क्षेत्र के चखनी गांव में बुधवार की दोपहर एक बार फिर स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही सामने आई जब एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा की गई लापरवाही भरे ऑपरेशन में प्रसव पीड़िता महिला और उसके नवजात की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने शोर मचाया, सूचना पर पहुंची नगर थाना पुलिस ने झोलाछाप डॉक्टर मनोज कुमार यादव को मौके से गिरफ्तार कर लिया। मृतका की पहचान मुन्नी देवी (25 वर्ष) के रूप में हुई है, जिसकी शादी धनहा थाना क्षेत्र के रविंद्र राम से हुई थी। घटना के वक्त वह अपने पिता चन्द्रिका राम

के घर नगर थाना के बनचहरी गांव में रह रही थी। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह मुन्नी की चाची रामवती देवी उसे अनुमंडलीय अस्पताल सुरक्षित प्रसव के लिए लेकर पहुंचीं, जहां चिकित्सकों ने खून की कमी बताते हुए उसे जीएमसी बेतिया रेफर कर दिया। स्वजन जब बेतिया जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी छत्रौल निवासी गंगाजली देवी ने उन्हें बरगलाया और चखनी गांव में एक तथाकथित कुशल डॉक्टर के पास ले गईं।

बताया जाता है कि सूरज हॉस्पिटल के नाम से संचालित झोलाछाप क्लिनिक में डॉक्टर मनोज कुमार यादव ने महिला की स्थिति गंभीर बताते हुए तत्काल ऑपरेशन कर दिया। ऑपरेशन के बाद न तो मां बच पाई और न ही नवजात। घटना के बाद स्वजनों ने हंगामा शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची नगर थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। नगर थाना अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मौके से झोलाछाप डॉक्टर को हिरासत में लिया गया है और महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल भेजा गया है। आवेदन मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि आरोपी मनोज कुमार यादव पर पहले भी एक महिला की जान लेने का आरोप है। 11 मार्च 2024 को नगर थाना के सामने स्थित इसी हॉस्पिटल में वार्ड संख्या 27, पंचरिया टोला निवासी मोहम्मद बादशाह की बहू कमरुन्न नेशा की मौत ऑपरेशन के दौरान हुई थी। उस मामले में भी प्राथमिकी दर्ज हुई थी, लेकिन आरोपी जमानत पर छूट गया और फिर धंधा शुरू हो चुका था। स्वास्थ्य विभाग उस समय भी मूकदर्शक बना रहा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर क्षेत्र सहित आसपास के गांवों में दर्जनों झोलाछाप डॉक्टर स्वास्थ्य विभाग की मिलीभगत से खुलेआम क्लिनिक चला रहे हैं। डीएम के आदेश के बावजूद अवैध क्लिनिकों की न तो नियमित जांच हो रही है और न ही उन पर कार्रवाई।

आखिर किशोरो में क्यों बढ़ रही मां तक की हत्या करने जैसी हिंसक प्रवृत्ति : कानपुर में बेटा

रावतपुर थाना क्षेत्र में हुई इसी तरह की एक घटना में मां की हत्या करने वाले किशोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसने मां की दुपट्टे से गला कसकर हत्या कर दी। इसके बाद उसकी लाश बेड के अंदर भर दी।

यहां इसका पता तब चला जब इस वारदात के कुछ घंटे बाद जब छोटा बेटा स्कूल से आया, तो पूछा कि मां कहां है? इस पर बड़ा भाई कुछ नहीं बोला। वह काफी देर तक मां को ढूंढता रहा इसके बाद जब छोटा बेटा मां के कमरे में गया, तो वो उसे बेड के बाहर दुपट्टा फंसा देखा। इस पर उसने बेड खोला, तो अंदर मां बेहोश पड़ी थीं। इसके बाद छोटे बेटे ने मामा

और पुलिस को इस बारे में बताया। इसबीच जब पुलिस पहुंची, तो मां की सांसें चल रही थीं। पुलिस मां को अस्पताल लेकर गई, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि अपनी मां की गला दबाकर हत्या करने वाला आरोपी बड़ा बेटा 12वीं का स्टूडेंट है।

घटना के बारे में प्राप्त विवरण के मुताबिक मार्केटिंग का काम करनेवाल रावतपुर निवासी सुभाष सचान काम के सिलसिले में अक्सर घर से बाहर रहते हैं। उनके परिवार में पत्नी उर्मिला सचान, दो बेटे थे। उनके 12वीं कक्षा के बड़े बेटे का नाम सत्यम सचान है। जबकि छोटा बेटा अमन सचान 11वीं में पढ़ता है। दोनों आमापुर के केंद्रीय विद्यालय-2 में पढ़ते हैं। मौके पर पहुंची पुलिस को छोटे बेटे ने बताया कि मां ने बड़े भइया से कहा कि वो बर्तन साफ कर दे। इस पर भाई का मां से झगड़ा हो गया। उसने मां का उसके ही दुपट्टे से गला कस दिया। इसके बाद मां को बेड में भर दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर घटना की जांच की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने जिला गाजियाबाद कारागार डासना में किया औचक निरीक्षक

हापुड़। जिला न्यायाधीश, जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक द्वारा जिला कारागार डासना में बैरकों, रसोईघर, अस्पताल एवं अन्य स्थानों के निरीक्षण के पश्चात बंदियों को दी जा रही सुविधाओं की जानकारी ली गयी तथा बन्दियों से फीडबैक लिया गया एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

बाराबंकी लखनऊ बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर भीषण सड़क हादसा ट्रक टेलर की चपेट में आने से एक की मौत दो घायल

बाराबंकी। लखनऊ बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग के रामनगर बुढ़वल चौराहा पर बुधवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया हाईवे पर कर रहे एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन लोगों को सामने से आ रही तेज रफ्तार ट्रक टेलर ने जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई

बाइक सवार तीन लोग डंपर की चपेट आ गए हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी दो लोग घायल हो गए। बाइक सवार गंभीर शुरू से घायल एक व्यक्ति को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। थाना रामनगर के ग्राम नाचना निवासी गयाप्रसाद पुत्र पुत्तीलाल अपने साढू सोनेलाल निवासी नौबस्ता तथा गाँव के रिंकू यादव पुत्र बुधई के साथ बाइक से बुधवार की दोपहर किसी कार्यवश रामनगर आए थे। गाँव वापस जाते समय बुढ़वल चौराहे पर हाइवे क्रॉस करते वक्त डंपर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल डंपर में फस गई और तीनों युवक समेत बाइक सड़क पर रगड़ती चली गयी। बाइक चालक गया प्रसाद डंपर की पहिया के नीचे आ गया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई वही रिंकू गंभीर रूप से घायल हो गया। गनीमत रही सोनेलाल को हल्की चोटें आई है। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ एकत्रित हो गयी हाईवे पर भीषण जाम लग गया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल युवक को स्थानीय सीएचसी भिजवाया जहां पर हालत गंभीर होने के चलते उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे कोतवाल अनिल कुमार पांडेय ने कड़ी मस्क्त के बाद यातायात बहाल करवाया। इस हादसे में गया प्रसाद ट्रक टेलर के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई सोनेलाल और रिंकू यादव को घायल अवस्था में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर लाया गया जहां सोनेलाल की तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरो ने उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया मौके पर पहुंचे सब इंस्पेक्टर अनिल कुमार सिंह ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और ट्रक टेलर को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है

भारत विकास परिषद द्वारा सामाजिक व्यवस्था परिवर्तन के पांच सूत्र कार्यक्रम पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर स्थानीय गीता निकेतन आवासीय विद्यालय के प्रांगण में भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र के आतिथ्य में एक दो दिवसीय बैठक एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री माननीय श्री विक्रांत खंडेलवाल जी के मार्गदर्शन में सामाजिक व्यवस्था परिवर्तन के पांच सूत्र विषय पर विस्तृत चर्चा की गई एवं बच्चों के संस्कार विकसित करने के लिए भारत विकास परिषद द्वारा आयोजित की जाने वाली भारत को जानो प्रतियोगिता, समूह गान प्रतियोगिता एवं गुरु वंदन छात्र अभिनंदन आदि कार्यक्रमों की भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई । कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम से किया गया तत्पश्चात आए हुए विशिष्ट अतिथियों का सम्मान किया गया । कार्यक्रम में सामाजिक व्यवस्था परिवर्तन के पांच सूत्र समरसता ,स्वदेशी परिवार प्रबोधन, पर्यावरण एवं नागरिक कर्तव्य के बारे में कैसे समाज को जागरूक किया जा सकता है इस बारे में क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री विक्रांत खंडेलवाल जी ने अपने विचार प्रस्तुत किए । डॉ अशोक चौधरी जी द्वारा भारत विकास परिषद द्वारा किए जाने वाले विभिन्न प्रकल्पों एवं प्रतियोगिताओं की जानकारी प्रदान की गई । क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉक्टर परमजीत पाहवा एवं प्रांतीय अध्यक्ष कपिल गुप्ता जी ने बताया

कि किस प्रकार इन कार्यक्रमों में हम समाज के शिक्षाविदों और बुद्धिजीवी वर्ग को जोड़ से जोड़कर सामाजिक परिवर्तन के लिए लोगों को जागरूक कर सकते हैं । इस दो दिवसीय संगोष्ठी में शाखा सचिव बलजीत चावला एवं प्रांतीय महासचिव अतुल गोयल द्वारा मंच संचालन किया गया ।

इस कार्यक्रम में जिला कुरुक्षेत्र की भारत विकास परिषद की पांच शाखाओं कुरुक्षेत्र, पिहोवा, लाडवा ,शाहबाद एवं मैत्रेई शाखा के सदस्यों एवं कुरुक्षेत्र के बहुत से स्कूल, कॉलेज के डायरेक्टर, प्रिंसिपल, कोऑर्डिनेटर ,अध्यापक , अध्यापिकाओं एवं अन्य बुद्धिजीवी लोगों ने भाग लिया । भारत विकास परिषद कुरुक्षेत्र के शाखा अध्यक्ष विजयंत बिंदल एवं मैत्रेई शाखा की अध्यक्ष' डॉ ममता सचदेवा द्वारा आए हुए गण मान्य अतिथियों , शिक्षाविदों और अन्य बुद्धिजीवियों का धन्यवाद किया गया । इस कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की तरफ से मुख्य रूप से प्रांतीय उपाध्यक्ष नरेंद्र राणा, महासचिव अरविंद सिंघल , महिला सहभागिता संयोजिका पूनम सैनी ,रमेश बुलाटी, अनीता भटनागर डॉ नीलम डांडा ,डॉ प्रमिला, डॉ उर्मिला सांगवान, अमन गोयल ,संगीता गर्ग, हेमंत सैनी, डॉ अमित दुआ ,प्रवीण घई ,मनोज सेतिया , दिनेश सिंघल ,नवीन गर्ग ,निपुण गर्ग ,रामविलास मित्तल ,वेद प्रकाश ,अजय गर्ग, राजकुमार कथूरिया, सुशील सूद ,मानसी गर्ग , सोनिया गोयल, डॉ ममता चावला, सुनील बाला ,आशा ढलवाल, डॉ हरिप्रकाश ,डॉ जवाहरलाल, जगजीत बत्रा ,डॉ सतपाल सिंह बग्गा ,प्रोफेसर विवेक चावला , डॉ प्रशांत शर्मा, प्रोफेसर दीपक राय ,नारायण सिंह ,प्रोफेसर परमेश कुमार एवं सहारा कंप्रिहेंसिव स्कूल, सहारा किंडरगार्डन स्कूल ,इंद्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल ,टैगोर ग्लोबल स्कूल ,बी आर इंटरनेशनल स्कूल, आई जी एन कॉलेज लाडवा ,गीता निकेतन आवासीय विद्यालय आदि संस्थाओं के शिक्षकों ने भी भाग लिया ।

मुस्लिम महिलाओं को अधिकारों के प्रति लानी होगी जागरुन्कता : शहनाज

बिजनौर । बज्म ए ख्वातीन द्वारा आयोजित इंटरप्रेन्योर मीटिंग में शामिल द्वारा आयोजित इंटरप्रेन्योर मीटिंग में शामिल ख्वातीन को संबोधित करते हुए बज्म की सदर बेगम शहनाज सिदरत ने कहा कि भारतीय महिलाओं और खासकर मुस्लिम महिलाओं ने अपने अधिकारों और नुमाइंदगी के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन बाइख्तेयार बनने के लिए उन्हें अभी और मेहनत करनी है। मेरी

जैसी ख्वातीन को भी खानदानी रवायत, समाजी दबाव, तालीम तक पहुंच और रोजगार के अवसर पाने के लिए बहुत से चैलेंजेज का सामना करना पड़ा। इन्हीं दिक्कतों की वजह से महिलाओं की राजनीति में सक्रियता कम है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है मुस्लिम महिलाओं को भी देश में हिस्सेदारी के लिए अपने हक पर जोर देना पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। उनका रोजगार से जुड़ना जरूरी है जबकि अभी भी ज्यादा तर महिलाएं घरों तक महमूद है।और दूसरों के आगे हाथ फैलाना को मजबूर हैं ख्वातीन को संबोधित करते हुए बज्म की सदर बेगम शहनाज सिदरत ने कहा कि भारतीय महिलाओं और खासकर मुस्लिम महिलाओं ने अपने अधिकारों और नुमाइंदगी के लिए कड़ी मेहनत की है लेकिन बाइख्तेयार बनने के लिए उन्हें अभी और मेहनत करनी है। मेरी जैसी ख्वातीन को भी खानदानी रवायत, समाजी दबाव, तालीम तक पहुंच और रोजगार के अवसर पाने के लिए बहुत से चैलेंजेज का सामना करना पड़ा। इन्हीं दिक्कतों की वजह से महिलाओं की राजनीति में सक्रियता कम है। लेकिन अब वक्त बदल रहा है मुस्लिम महिलाओं को भी देश में हिस्सेदारी के लिए अपने हक पर जोर देना पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। उनका रोजगार से जुड़ना जरूरी है जबकि अभी भी ज्यादा तरह महिलाएं घरों तक महमूद है।

थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम द्वारा 01 शातिर ऑटो लिफ्टर को किया गया

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में चोरी की घटनाओं के अनावरण एवं चोरी की घटनाओं की रोकथाम हेतु अभियान चला कर संलिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु समस्त थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया था। इसी क्रम में आज दिनांक- 25.06.2025 को थाना रामसनेहीघाट पुलिस टीम द्वारा मैनुअल इंटैलीजेंस के आधार पर 01 शातिर ऑटो लिफ्टर मुकेश जायसवाल पुत्र शिवशंकर जायसवाल निवासी ग्राम देवीगंज थाना असन्द्रा जनपद बाराबंकी को दरियाबाद अण्डर-पास के निकट से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे/निशादेही से चोरी की 09 अदद मोटरसाइकिल बरामद किया गया। उक्त बरामदगी के आधार पर थाना रामसनेहीघाट पर मु0अ0सं0 260/2025 धारा 317(2)/317(4) बीएनएस

पंजीकृत किया गया। पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त द्वारा जनपद बाराबंकी व आस-पास के जनपदों में भीड़-भाड़ वाले स्थानों, बाजार व पार्को आदि में खड़ी मोटर साइकिलों को चोरी किया जाता है। अभियुक्त द्वारा चोरी की गई मोटर साइकिलों को बूढ़े बाबा मंदिर के पास पुराने पुल के निकट झाड़ियों में छिपाकर रखा गया था।

अभियुक्त द्वारा चोरी की गई मोटर साइकिलों को कम दामों पर आम लोगों को बेच दिया जाता है। बरामद मोटर साइकिल यूपी 41 अठ 0913 ग्राम मौरवा के पास से तथा यूपी 41 9152 मोहम्मदपुर कीरत चौराहा के पास से चोरी की गयी थी, जिस सम्बन्ध में थाना रामसनेहीघाट क्रमशः मु0अ0सं0 209/2025 धारा 303(2) बीएनएस व मु0अ0सं0 243/2025 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत है। पुलिस टीम द्वारा अन्य बरामद मोटरसाइकिलों के सम्बन्ध में जानकारी की जा रही है।

कांवड़ यात्रा के लिए की लूटपाट, तीन

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उत्तर-पश्चिम जिले के केशवपुरम थाना पुलिस ने एक आइसक्रीम पार्लर में हुई लूट की वारदात में तीन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। वारदात के दौरान लूटा गया आई फोन, नकदी, वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू और मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई है। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि यह घटना 19 जून की रात लगभग 11 बजे की है, जब त्रिनगर स्थित तालाब रोड पर रहने वाले धर्मेंद्र पुत्र मुक्ता सिंह अपनी दुकान ह्यूमुकट कुल्फी वालेह को बंद कर रहे थे। उसी दौरान दो युवक कैप और मास्क पहने हुए दुकान में घुस आए। एक ने चाकू दिखाकर उन्हें धमकाया और जबरन बैठा दिया। दूसरे युवक ने दुकान के गल्ले से करीब 43,000 की नकदी, फ्रिज से कुछ कुल्फियां और एक आई फोन 11 लूट लिया। वारदात के बाद दोनों लुटेरे बाहर खड़ी एक काली स्प्लेंडर बाइक पर सवार तीसरे साथी के साथ फरार हो गए। इस वारदात को लेकर थाना केशवपुरम थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया। पुलिस टीम ने 50 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की और अपराधियों के भागने के रास्ते को ट्रेस किया। स्थानीय सूचना तंत्र सक्रिय किया गया और लगातार प्रयासों के बाद तीनों आरोपितों की पहचान कर रामपुरा अंडरपास के पास जाल बिछाकर उन्हें गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान तीनों आरोपितों ने कबूल किया कि उनका मकसद हरिद्वार कांवड़ यात्रा के लिए खर्च जुटाना था। लेकिन लूट में उम्मीद से कम पैसा मिला। कांवड़ यात्रा का प्लान छोड़ दिया गया और जो नकदी मिली, वह क्लबों और मौज-मस्ती में खर्च कर दी गई।

थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम द्वारा एक शातिर चोर को किया गया गिरफ्तार

बाराबंकी। बाराबंकी पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय द्वारा जनपद में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण लगाने हेतु अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में आज दिनांक 25.06.2025 को थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त आदित्य रावत पुत्र शेष कुमार निवासी मलूकपुर थाना कोतवाली नगर जनपद बाराबंकी को डमौल क्रासिंग, भद्रुपुरवा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की 02 अदद मोटर साइकिल, एक अदद तमंचा मय एक अदद जिन्दा कारतूस .315 बोर व चोरी करने के उपकरण बरामद किया गया। बरामदगी के आधार पर थाना जहांगीराबाद पर मु0अ0सं0 190/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट व 317(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि अभियुक्त द्वारा अपने अन्य साथी मुकेश रावत के साथ मिलकर जनपद बाराबंकी के आस-पास के जनपदों में रात्रि के समय रेकी कर सड़क किनारे लगे जनरेटर, डीजल इंजन, ट्रैक्टर व आटो के पार्टस एवं बैटरी को बरामद उपकरण से खोलकर/काटकर चोरी की घटना कारित करता है एवं चोरी किए गए सामान को बेचकर अपना जीवन यापन करता है। अभियुक्त द्वारा बरामद मोटर साइकिल यूपी 32 बीटी 6512 को जनपद लखनऊ से चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस टीम द्वारा वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा है।

बाराबंकी लोधेश्वर धाम महादेवा मेला संपन्न कराने वाले अधिकारी और कर्मचारी अपने कार्यों का निर्वहन जिम्मेदारी से करें

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय, मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन, अपर जिलाधिकारी अरुण कुमार सिंह, उपजिलाधिकारी राम नगर विवेक शील यादव सहित जिले के अधिकारियों सहित पूर्व विधायक शरद अवस्थी, मेला कमेटी के सम्मानित सदस्यगण व सम्भ्रांतजन के साथ लोधेश्वर धाम महादेवा में लगने वाले श्रावण मास मेला 2025 की तैयारियों से संबंधित समीक्षा बैठक की।

जिलाधिकारी ने मेला व्यवस्था को सम्पन्न कराने वाले अधिकारियों, कमचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी लोग अपने कार्यों का निर्वहन जिम्मेदारी से करें जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई परेशानी न होने पाए। जिलाधिकारी ने कहा कि बैरिकेडिंग के कार्यों की व्यवस्था सुरक्षा मानकों को दृष्टिगत रखते हुए की जाए। उन्होंने कहा कि बैरिकेडिंग की बल्लियों के बीच में लोहे की मजबूत जाली का प्रयोग अवश्य किया जाए। उन्होंने कहा कि

दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की पार्किंग पूर्व की भांति चयनित स्थलों पर की जाए। इसके साथ ही पार्किंग स्थल की बैरिकेडिंग व प्रकाश की समुचित व्यवस्था भी की जाए। उन्होंने उप जिलाधिकारी रामनगर को आगामी 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावण मास मेला को सकुशल एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराए जाने हेतु सभी व्यवस्थाओं को नियमित मॉनिटरिंग करने के लिए निर्देशित किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि बोहनिया तालाब और अभरन तालाब पर व उसके आसपास प्रकाश की समुचित व्यवस्था कराई जाए तथा रात्रि में विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे। इसके साथ ही जनरेटर की भी वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि अभरन तालाब के चारों ओर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने पाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि मेला क्षेत्र में जिन नालियों पर ढकें पत्थर टूट गए हैं, उन नालियों को पत्थर से ढकने की कार्रवाई की जाए। जो नल खराब हो चुके हैं, उनको दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी रामनगर को आगामी महादेवा मेला के दौरान होने वाली सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को एक कार्ययोजना बनाकर डायग्राम के रूप में तैयार करने के निर्देश दिए, जिससे इन सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को महादेवा कॉरिडोर के प्रोजेक्ट में समाहित किया जा सके। बैठक के दौरान खाद्य पदार्थ की जांच, पेयजल की व्यवस्था, विद्युत व प्रकाश की व्यवस्था, मेला में विक्रय सामग्री के रेट का निर्धारण, मेला परिसर में सांड एवं छुट्टा जानवरों को हटवाया जाना, दुकानों को सुव्यवस्थित ढंग से लगवाने, अवैध अतिक्रमण हटवाने की कार्रवाई आदि विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। श्रद्धालुओं को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित की जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री अर्पित विजयवर्गीय ने संबन्धित को निर्देशित करते हुए कहा कि मेले परिसर में जो भी दुकान लगाई जाए, उन समस्त दुकानों पर दुकानदार का नाम व पता पहचान पत्र सहित रेट बोर्ड लगवाने की कार्रवाई की जाए। इस मौके पर रिसीवर हरिप्रसाद द्विवेदी ,ग्राम प्रधान राजन, पंडित अनिल शास्त्री, पुजारी आदित्यनाथ बाबा, क्षेत्राधिकार गरिमा पंत, थाना प्रभारी निरीक्षक रामनगर अनिल कुमार पांडे, खंड विकास अधिकारी जितेंद्र कुमार महादेव चौकी प्रभारी संतोष सहित भारी संख्या में अधिकारी कर्मचारी माता प्रसाद कश्यप नाजिर, उपस्थित रहे।